2 देश-विदेश

फरीद जकारिया का येल की प्रशासन समिति से इस्तीफा

4 विचार-प्रवाह

तैयार हो रहा है मोहभंग का जनमत

पेज थ्री

देहरादून, पौड़ी (गढ़वाल), हरिद्वार व अल्मोड़ा से प्रकाशित

देहरादून संस्करण

वर्ष : 7 | अंक 319 | देहरादून, बुधवार 22 अगस्त 2012 | मूल्य: दो रूपए | पृष्ठ : 8

7 खेल

शीर्ष टीमों के लिए लगातार खेलना होगा: संदीप सिंह

पेज थ्री
समाचार पत्र अब इंटरनेट पर भी उपलब्ध
पढ़ने के लिए कृपया लॉगऑन करें:-
www.page3news.in

सरकारी नौकरियों में बढी आयु सीमा

देहरादून। उत्तराखण्ड की कांग्रेस सरकार ने गत विधानसभा चुनावों में बेरोजगारों से कये गये वायदे को निभाते हुये सरकारी नौकरियों के लिये आयु सीमा बढ़ाने के साथ ही प्रदेश के पहाड़ी क्षेत्रों में चिकित्सा व्यवस्था की बदहाली में सुधार के लिये डाक्टरों के वेतन में लगभग दोगुनी वृद्धि कर दी है। बहुगुणा सरकार ने शिक्षण संस्थाओं से आरएसएस नेताओं के नाम हटाने के साथ ही 6000 मेगावाट की अन्तराष्ट्रीय महत्व की पंचेश्वर बिजली परयोजना को भी अपनी सहमति दे दी है।

कैबिनेट के महत्वपूर्ण निर्णय

चिकित्सकों के वेतन में हुआ इजाफा(हजार रुपये में)

	साधारण	डिप्लोमाधारी	पीजी विशेशज्ञ
सुगम	48	52	55
दुर्गम	52	56	59
अति दुर्गम	56	60	63

राजकीय सेवाओं में सामान्य वर्ग को राहत, आयु सीमा 35 से बढ़ाकर 40 वर्ष हुई। आरक्षित वर्ग रहेंगे पूर्ववत्त।

पत्रकारों की अनुग्रह राशि 50 हजार से बढ़ाकर 2 लाख रुपये

प्राथमिक विद्यालय के सहायक अध्यापक में नई भर्ती ब्लॉक केडर के आधार पर

रीवर राफ्टिंग को प्रोत्साहन, कैंपिंग पॉलीसी को मंजूरी

खादी के वस्त्रों पर वैट में छूट

स्कूली बच्चों को लाने ले जाने के लिए प्रयुक्त स्कूल कैब पर कर की दरों पर मिलेगी छूट

संबंधित समाचार पृष्ठ 8 पर

एटक का रोष

- न्यूनतम मजदूरी की दरों का पुनरीक्षण किया जाए
- श्रमिकों ने मुख्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन, कार्यवाई की मांग

देववाणी

''यथार्थता के आगे शब्द- नि:शब्द है। ''

आदि श्री अश्वनी देव:(साक्षात्)

संक्षिप्त समाचार

शाहरुख के खिलाफ तिरंगे के अपमान का केस दर्ज

पुणे।। बॉलिवुड ऐक्टर शाहरूख खान के खिलाफ पुणे में तिरंगे का कथित तौर पर अपमान करने का मामला दर्ज कराया गया है। लोक जनशक्ति पार्टीके राष्ट्रीय सचिव रवि ब्रह्मे की शिकायत के आधार पर शाहरुख के खिलाफ 14 अगस्त को एफआईआर दर्ज की गई। यूट्यूब पर अपलोड किए गए विडियो में शाहरुख को तिरंगे का अपमान करते दिखाया गया है।

एक पुलिस अधिकारी ने कहा, शाहरुख खान के खिलाफ राष्ट्रीय सम्मान अधिनियम–1971 के तहत दर्ज किया गया है। यह मामला 14 अगस्त को दर्ज किया गया और आगे की जांच के लिए इसे मुंबई पुलिस के पास ट्रांसफर कर दिया गया। इस मामले के साथ कुछ फोटो और विडियो भी उपलब्ध कराए गए हैं।

ब्रह्मे ने हाल ही में मुंबई की मॉडल गहना वशिष्ट के खिलाफ भी तिरंगा को कथित तौर पर बिकीनी के रूप में पहनने को लेकर मामला दर्ज कराया था। इस मॉडल को बीते 18 अगस्त को गिरफ्तार कर लिया गया था। इसके अगले दिन उसे जमानत मिल गई थी। उधर, शाहरुख से जुड़े सूत्रों का कहना है कि अभिनेता को अपने खिलाफ ऐसा कोई मामला दर्ज कराए जाने की जानकारी नहीं है।

मुंबई हिंसा के पीछे बांग्लादेशी: राज ठाकरे

इन लोगों को यहां आकर यहां का माहौल बिगाड़ने की इजाजत नहीं दी जाएगी

मुंबई ।। राज ठाकरे ने 11 अगस्त को मुंबई में हुई हिंसा का ठीकरा भी बिहार और उत्तर प्रदेश के लोगों पर फोड़ते हुए कहा कि इस हिंसा में कोई भी महाराष्ट्र का आदमी नहीं था। उन्होंने कहा कि उस हिंसा में शामिल सारे लोग बाहरी राज्यों के थे। उन्होंने कहा कि आम मराठी माणूस हिंसा में विश्वास नहीं करता।

राज ने कहा कि मुंबई और महाराष्ट्र के पुलिस वालों पर और यहां के लोगों पर जब कभी हमला होगा तो मैं ऐसे ही उसके पक्ष में खड़ा रहूंगा। उन्होंने कहा कि श्लोग धर्म का सवाल उठा रहे हैं। मेरा सिर्फ एक ही धर्म है महाराष्ट्र धर्म। कोई और धर्म मैं नहीं जानता। जिन पुलिस वालों पर उस दिन हमला हुआ था, जिन महिला पुलिसकर्मियों के साथ बदतमीजी हुई थी, वे सब महाराष्ट्र के हैं। जिन लोगों ने ऐसा किया वे बाहर से आए हुए लोग थे। उन्होंने कहा कि जो कोई भी पुलिस पर हाथ उठाए उसे वहीं के वहीं काट देना चाहिए, चाहे वह किसी भी धर्म का हो।

बाहरी लोगों के सिर पर फोड़ा ठीकरा

राज ठाकरे ने कहा कि यूपी और बिहार से काफी लोग आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि बडीध संख्या में बांग्लादेशी और पाकिस्तानी लोग मुंबई में छिपे हुए हैं। राज ने महाराष्ट्र के गृह मंत्री आर आर पाटिल और मुंबई के पुलिस कमिश्नर अरूप पटनायक पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि इन दोनों को तुरंत पद से हटाना चाहिए। उन्होंने सवाल किया जब हमला हो रहा था तब आर आर पाटील कहां थे? पटनायक की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि जब एक डीसीपी ने एक गुनहगार को पकड़ा तो पटनायक ने उसे छोड़ने का आदेश दिया। आखिर हमला करने वालों के प्रति इतना ढीला रवैया दिखाने वाले शख्स को पुलिस कमिश्नर कैसे बनाए रखा जा सकता है?

कोयला घोटाले पर संसद में हंगामा

नई दिल्ली।। कोयला ब्लॉक आवंटन घोटाले पर कैग की रिपोर्ट को लेकर मंगलवार को संसद के दोनों सदनों में जमकर हंगामा हुआ। एनडीए, लेफ्ट समेत विपक्षी दलों के भारी हंगामे के कारण दोनों सदनों की कार्यवाही बुध वार तक के लिए स्थगित कर दी गई है। हालांकि, सरकार सीएजी की रिपोर्ट पर चर्चा के लिए तैयार हो गई है, लेकिन विपक्षी दल प्रधानमंत्री के इस्तीफे पर अड़े हुए हैं।

मंगलवार की सुबह लोकसभा की कार्यवाही शुरू होते ही एनडीए के सदस्य कोयला ब्लॉक आवंटन एवं अन्य घोटालों पर कैग की रिपोर्ट का हवाला देते हुए प्रधानमंत्री के इस्तीफे की मांग करने लगे। एनडीए के सांसद प्रधानमंत्री इस्तीफा दो का नारा लगाते हुए लोकसभा अध्यक्ष के आसन के पास आ गए। इस बीच लेफ्ट फ्रंट के सांसद भी अपने स्थान से कैग की रिपोर्ट पर नारेबाजी करते देखे गए।

बीजेपी के कुछ सदस्यों ने प्रधानमंत्री के इस्तीफे की मांग करते हुए नारे लगाए।

सरकार सीएजी की रिपोर्ट पर चर्चा के लिए तैयार

पीएम के इस्तीफे की मांग को कांग्रेस ने खारिज किया

नई दिल्ली।। कोयला ब्लॉक आवंटन में कथित अनियमितता की नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्ट पर प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के इस्तीफे की मांग को सिरे से खारिज करते हुए सरकार ने बीजेपी से सकारात्मक विपक्ष की भूमिका निभाने को कहा है। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अंबिका सोनी ने संसद भवन परिसर में कहा कि बीजेपी बिना किसी सुबूत के प्रधानमंत्री से इस्तीफे की मांग कर रही है। यह पहली बार नहीं है जब विपक्षी पार्टी प्रधानमंत्री से इस्तीफा मांग रही है, संसद के हर सत्र में इस प्रकार की मांग करना उसका चलन हो गया है।

मोदी को मात देने के लिए गुजरात में 15 लाख घर बांटेगी कांग्रेस

अहमदाबाद।। गुजरात में मोदी सरकार को सत्ता से बाहर करने के लिए कांग्रेस किसी भी हद तक जाने को तैयार है। पार्टी हर हाल में नरेंद्र मोदी को लगातार तीसरी बार चुनाव जीतकर सरकार बनाने से रोकना चाहती है। इसके लिए पार्टी ने वोटरों को लुभाने के लिए नई घोषणा की है। गुजरात कांग्रेस ने घोषणा की है कि अगर इस बार वह सरकार में आई तो शहरों में रहने वाली गरीब तबके की महिलाओं को काफी रियायतों दरों (70 से 1.80 लाख रुपये) में घर देगी।

किसानों पर दर्ज मुकदमें वापस होंगे

लखनऊ। किसान आंदोलन की आंच ठंडी करने को मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मंगलवार को भारतीय किसान यूनियन नेताओं से वार्ता में उनकी अधिकतर मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करने का वादा किया।

उन्होंने किसानों पर दर्ज मुकदमे वापस लेने, बकाया गन्ना मूल्य भुगतान तीन सप्ताह में कराने और यमुना एक्सप्रेस वे पर छह माह के भीतर सर्विस लेन बनाने का आश्वासन दिया। सपा के चुनावी घोषणापत्र में कर्जा माफी, मुफ्त बिजली और पानी देने जैसे तमाम वादे पूरे करने का संकल्प भी दोहराया।

भाकियू प्रवक्ता राकेश टिकैत के नेतृत्व में राजपाल शर्मा, दीवान चंद, बलराम लम्बरदार, राजेश चौहान व धर्मेन्द्र मलिक समेत दर्जन भर किसान नेताओं का प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री से उनके आवास पर करीब एक घंटा चली वार्ता के बाद संतुष्ट नजर आया।

बकाया गन्ना मूल्य न मिलने के कारण चीनी मिलों पर ताले डालने की चेतावनी देने वाले भाकियू नेता तीन सप्ताह में भुगतान चुकता करा देने के आश्वासन पर मान गए।

किसान महापंचायत 27 को होगी

लखनऊ। यमुना एक्सप्रेस–वे समेत अन्य मसलों पर 27 अगस्त को नोएडा में आयोजित महापंचायत की जानकारी देते हुए भाकियू प्रवक्ता ने बताया कि मुख्यमंत्री से हुई वार्ता के बारे में किसानों को बताया जाएगा और आगे की रणनीति तय होगी। इस के अलावा किसानों और सरकार के बीच नियमित संवाद बनाने को जिले स्तर पर बैठके कराने के बारे में चर्चा होगी।

रेप का आरोप लगाने वाले पूर्व विधायक पर हो कार्रवाई: राहुल गांधी

नई दिल्ली।। राहुल गांधी ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट से अनुरोध किया कि उनके खिलाफ गैरकानूनी तरीके से एक लड़की को बंधक बनाने में शामिल होने के आरोप लगाने वाले समाजवादी पार्टी के पूर्व विधायक के खिलाफ गलत बयानी और अवमानना की कार्यवाही शुरू की जाए। जस्टिस बी. एस. चौहान और स्वतंत्र कुमार की बेंच के समक्ष राहुल गांधी की ओर से सीनियर वकील पी. पी. राव ने कहा कि यह पूरी तरह से गलत बयानी और अवमानना का मामला है।

कोर्ट को एसपी के पूर्व विधायक किशोर समरीते के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। जजों ने कहा कि इसके लिए विधिवत आवेदन दायर करना होगा क्योंकि इस समय कोर्ट बहुत सीमित पहलू पर सुनवाई कर रहा है। कोर्ट ने इस मामले को अंतिम सुनवाई के लिए 10 सितंबर को सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया है।

महज 30 दिन में इशू हो जाएगा पासपोर्ट

मुंबई।। आपने पासपोर्ट के लिए अप्लाई किया लेकिन अब तक आपका पासपोर्ट तैयार नहीं हुआ या आपके हाथ में पासपोर्ट आने में कई महीनों का वक्त लग गया? घबराइए नहीं, पासपोर्ट के लिए अब आपको लंबा इंतजार नहीं करना होगा। विदेश मंत्रालय ने अब पासपोर्ट तैयार करने के लिए समय सीमा तय कर दी है। नए निर्देशों के मुताबिक, अप्लाई करने के 30 दिन के भीतर पासपोर्ट की डिलिवरी अनिवार्य कर दी गई है। वहीं, पासपोर्ट दोबारा इशू करने के लिए 15 दिन का समय तय किया गया है। इसके अलावा, तत्काल ऐप्लिकेशंस के मामले में एक से सात दिन के भीतर पासपोर्ट इशू हो जाएगा।

इसके अलावा, सभी क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालयों को निर्देश दिया गया है कि संबंधित दस्तावेज जमा करने की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए वॉक–इन सुविधाएं शुरू की जाएं।

प्रणव मुखर्जी के राष्ट्रपति चुने जाने को संगमा ने दी चुनौती

नामांकन दाखिल करते वक्त प्रणव मुखर्जी लाभ के पद पर आसीन थे: संगमा

नई दिल्ली।। लोकसभा के पूर्व अध्यक्ष पी. ए. संगमा ने राष्ट्रपति पद पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रणव मुखर्जी के निर्वाचन को सुप्रीम कोर्ट में आज चुनौती दे दी। राष्ट्रपति पद के लिए 19 जुलाई को हुए चुनाव में प्रणव मुखर्जी ने संगमा को पराजित किया था।

संगमा ने चुनाव याचिका में तर्क दिया है कि राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करते वक्त प्रणव मुखर्जी लाभ के पद पर आसीन थे। याचिका में दावा किया गया है कि प्रणव भारतीय सांख्यिकी संस्थान (आईएसओ) के अध्यक्ष पद पर आसीन थे।

संगमा के चुनाव प्रचार के प्रभारी बीजेपी के वरिष्ठ नेता सतपाल जैन ने बताया कि इस याचिका में राष्ट्रपति पद पर प्रणव मुखर्जी का निर्वाचन निरस्त करने का न्यायालय से आग्रह किया गया है। संगमा चाहते हैं कि प्रणव का निर्वाचन निरस्त करके उनके स्थान पर उन्हें निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया जए।

कुछ हटके

ब्यूरोक्रेट्स की नीतियों से उबरे संविदा शिक्षक

देहरादून। ब्यूरोक्रेट्स की तिलिस्मी नीतियों के भंवर में उलझे पॉलिटेक्नीकों में कार्यरत संविदा शिक्षकों को राहत देते हुए मुख्यमंत्री विजय बहुगुणा ने इन्हें सेवा विस्तार दिये जाने के निर्देश दे दिये हैं। साथ ही नये सिरे से संविदा शिक्षकों के चयन को आयोजित किये गये सभी साक्षात्कार तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिये गये हैं। हालांकि निर्देशों में संविदा शिक्षकों के मानदेय में बढ़ोतरी का उल्लेख नहीं किया गया है।

गौरतलब है कि सूबे के राजकीय पॉलीटेक्नीकों में 110 संविदा शिक्षक कार्यरत हैं लेकिन ब्यूरोक्रेट्स ने अपनी मनमानी नीतियों के जरिए इन सभी संविदा शिक्षकों को बाहर का रास्ता दिखा कर नये सिरे से संविदा शिक्षकों की भर्ती का स्वांग रचते हुए अलग–अलग पॉलीटेक्नीकों में साक्षात्कार भी आयोजित किये। ब्यूरोक्रेट्स की मनमानी चलते इन 110 संविदा शिक्षको के रोजी पर संकट उत्पन्न हो गया। नीतियों के भंवर में रोजी जाते देख संविदा शिक्षकों काबीना मंत्री मंत्री प्रसाद नैथानी, प्रीतम सिंह और सुरेन्द्र सिंह नेगी के भी दर पर दस्तक देकर अपनी राम कहानी बयान की। इन संविदा शिक्षकों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए काबीना मंत्री मंत्री प्रसाद नैथानी ने मसले को मुख्यमंत्री विजय बहुगुणा के समक्ष प्रभावशाली ढंग से रखा। इधर संविदा शिक्षकों की समस्याओं को दैनिक पेज थ्री ने भी अपने चार अंकों में प्रमुखता के साथ उठाया। मामला सुर्खियों में आने पर और काबीना मंत्री मंत्री प्रसाद नैथानी की दलीलों को देखते हुए मुख्यमंत्री विजय बहुगुणा ने प्रमुख सचिव उत्तराखण्ड एके जैन को निर्देशित किया कि नये सिरे से संविदा शिक्षकों के चयन को आयोजित सभी साक्षात्कार निरस्त किये जाने के आदेश सभी पालीटेक्नीकों को भेज दिये जायें साथ ही पॉलीटेक्नीकों में कार्यरत सभी 110 संविदा शिक्षकों को नियमानुसार सेवा विस्तार दिया जाय। इधर राजकीय पॉलीटेक्नीक संविदा शिक्षक सोसाइटी के अध्यक्ष सोमनाथ टोडरिया और उपाध्यक्ष पंकज सैलानी ने मुख्यमंत्री को दूरभाष पर वार्ता के दौरान बताया कि ब्यूरोक्रेट्स की मनमानी की वजह से लोकसेवा आयोग को साक्षात्कार के लिए भेजे गये 198 पदों में कार्यरत 110 शिक्षकों के पदों को भी शामिल कर दिया गया जिससे उनका भविष्य अधर में है। हालांकि इस संबध में मुख्यमंत्री ने कोई निर्देश नहीं दिये अलबत्ता उन्होनें प्रमुख सचिव को संविदा शिक्षकों के मसले पर नीति निर्धारित किये जाने के भी निर्देश दिये। फिलहाल मुख्यमंत्री के निर्देश से संविदा शिक्षकों की नौकरियों पर छाया संकट फिलहाल टल गया है। लेकिन अब संविदा शिक्षक तदर्थ नियुक्ति की मांग को लेकर एक बार फिर मुख्यमंत्री की ड्योढी पर दस्तक देने का मन बना चुके हैं।

खबर का असर

- **मुख्यमंत्री ने संविदा शिक्षकों के साक्षात्कार किये निरस्त**
- **पॉलीटेक्नीकों में कार्यरत 110 संविदा शिक्षकों को दिया सेवा विस्तार**